जरे जरे में हैं झांकी भगवान की किसी सूझ वाली आँख ने पहचान की Bhajans Bhakti Songs

जरे जरे में हैं झांकी भगवान की,
किसी सूझ वाली आँख ने पहचान की ।

नामदेव ने पकाई, रोटी कुत्ते ने उठाई,
पीछे घी का कटोरा लिए जा रहे ।
बोले रुखी तो ना खाओ, प्रभु घी लेते जाओ,
रूप अपना क्यूँ मुझ से छिपा रहे ।
तेरा मेरा एक नूर, फिर काहे को हजूर,
तुने शकल बनाई यह श्वान की,
मुझे ओडनी उडादी इंसान की ॥

निगाह मीरा की निराली, पी के ज़हर प्याली,
ऐसा गिरिधर बसाया हर श्वास में ।
आया जब काला नाग, बोली धन्य मेरे भाग्य,
प्रभु आये आज नाग के लिबास में ।
आओ आओ बलिहार, काले कृषण मुरार,
बड़ी कृपा हैं कृपानिधान की ।
धन्यवादी हूँ मैं आप के एहसान की ॥

इसी तरह सूरदास, निगाह जिनकी थी ख़ास,
ऐसा नैनो में था नशा हरी नाम का ।
नयन जब हुए बंद, तब मिला वह आनंद,
आया नज़र नज़ारा घनश्याम का ।
हर जगह वो समाया, सारे जग को दिखाया,
आई आँखों में रोशनी ज्ञान की,
देखि झूम झूम झांकी भगवानी की ॥

गुरु नानक कबीर सही जिनकी नजीर,
देखा पत्ते पत्ते में निरंकार को ।
नज़दीक और दूर, वोही हाज़र हजूर,
यही सार समझाया संसार को ।
नत्था सिंह यह जहान, शहर गावं बिआवान,
मेहरबानिआन हैं उसी मेहरबान की ।

Source:
https://www.bharattemples.com/zare-zare-me-hain-jhani-bhagwaan-ki-kisi-soojh-wali-aank-ne-pehchaan-ki/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/

Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw